

आखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

गुरुवार 31 अगस्त 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुत्थाति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

सिंहंबर से बदलने वाले हैं कई जरूरी नियम, आज ही निपटा लें ये काम नहीं तो होगी परेशानी

नई दिल्ली एलपीजी सिलेंडर पर मिलेंगी 200 रुपये की राहत केंद्रीय कैविनेट ने एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपये की सम्पूर्णी देने का एलान किया है। उच्चला योजना के लाभार्थियों को पहले से मिल रही 200 रुपये की सम्पूर्णी के अलावे यह लाभ अलग से मिलेगा। ऐसे में इस स्कीम के लाभार्थियों को 400 रुपये प्रति सिलेंडर का लाभ होगा। सरकार ने इस महत्वपूर्ण फैसले का एलान अगस्त में ही कर दिया है। ऐसे में सिंहंबर में मदद की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ जनता के बीच मौजूद है और राहत और बचाव के लिए हर प्रकार से मदद की जा रही है। उन्होंने कहा कि तटबंध और नदी के बीच में जो लोग बसे हैं अगर वे इस पार बसना चाहें तो उनके लिए व्यवस्था की जाएगी। अगर सभी लोग तैयार हों तो सरकार की ओर से अच्छी कॉलेजों तक लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नियन्त्रण पर नदी का कठान हो रहा है उसके लिए सिचाव योग्य को निर्देश दिये गये हैं कि तत्काल मुकम्मल व्यवस्था की जाए।

वर्तमान में प्रदेश के 21 जनपद के 721 ग्राम बाड़ से प्रभावित

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के दृष्टिकोण सरकार की ओर से खाली ही तैयारियों और स्थानीय प्रशासन के साथ ही प्रभारी मंत्रियों और लखनऊ स्तर से अधिकारियों को भी आवश्यक नियंत्रण पहले ही दे दिये गये थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के 21 जनपदों के 721 ग्राम बाड़ से प्रभावित हैं।

मुख्यमंत्री में आधार डाटा अपडेट करने का आविष्कारी मौका

अगर अपने अपना आधार मुफ्त में अपडेट करना काम हो रहा है तो आपको यह काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री में आधार डाटा अपडेट करने की डेढ़लाइन तय की है।

पहले यह सुविधा को 14 जून तक ही दी गई थी उसके बाद इसे 14 सिंहंबर कर दिया गया। अगर उक्त तारीख तक अपने आधार से अधिकारियों को भी आवश्यक नियंत्रण करना चाहिए तो उक्त तिथि के बाद सेवी की ओर से नियंत्रण किया जा सकता है।

डीमैट खाते की नॉमिनेशन प्रक्रिया पूरी करने की आविष्कारी तारीख

अगर आपने डीमैट खाते में नॉमिनेशन की प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है तो यह काम भी आपको 30 सिंहंबर 2023 से पहले पूरा कर लाना चाहिए। बिना नॉमिनेशन वाले खाते को उक्त तिथि के बाद सेवी की ओर से नियंत्रण किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों संग रक्षाबंधन पर्व मनाते हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने बच्चों संग संवाद भी किया।

ज्यूडिशियरी में भयंकर भ्रष्टाचार: सीएम गहलोत

कई वकील जो लिखकर ले जाते हैं, वही जजमेंट आता है: राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- आज ज्यूडिशियरी में भयंकर भ्रष्टाचार हो रहा है। मैंने सुना है कि कई वकील तो जजमेंट लिखकर ले जाते हैं। वही जजमेंट आता है।

ज्यूडिशियरी के अंदर यह काम हो रहा है? चाहे लोअर ज्यूडिशियरी हो या अपर। हालात गंभीर हैं।

देशवासियों को सोचना चाहिए। गहलोत जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा-

भाजपा विधायक कैलाश मेघवाल

ने किसी तरह बच्चों संग रक्षाबंधन पर्व मनाते हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने बच्चों संग संवाद भी किया।

ज्यूडिशियरी में भयंकर भ्रष्टाचार: सीएम गहलोत

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी, एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इंटरफियर नहीं करता है। मैंने जीवन में कभी इन संस्थाओं के काम में हस्तक्षेप नहीं किया। न कभी करना चाहिए।

जजमेंट को भी परवान ही नहीं की। हम तो कभी किसी के पेंडे पुरे नहीं हैं। ज्यूडिशियरी, आरपीएससी,

एसीबी में कभी इ

विदेश संदेश

इसाइल के विमान ने सऊदी
अरब में किया आपातकालीन लैंडिंग,
पीएम नेतृत्वात् ने दिया धन्यवाद

तेल अवीव। हिंद महासागर के द्वीप राष्ट्र सेशेल्स से इसाइलियों को घर ले जा रहे एक विमान को तेल अवीव के लिए उड़ान भरने के बाद सऊदी अरब में आपातकालीन लैंडिंग का समाप्त करना पड़ा। इसके बाद मंगलवार को वापस इसे तेल अवीव के लिए रवाना कर दिया गया। इसाइल ने सद्विनायक संकेत के रूप में इसकी सफाई की, जैसा कि वाशिंगटन दोनों देशों के बीच औपचारिक संबंध स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। 128 यात्रियों को ले जा रहे एयर सेशेल्स के विमान को बिजली के खारबी के कारण सोमवार को आपातकालीन लैंडिंग करना पड़ा था। इसाइल के लिए रवाना कर दिया गया। यात्रियों ने जेदा तरह अड्डे के होटल स्तर पर रात बिताई और उन्हें वैकल्पिक विमान से एयरलाइन वापस भेज दिया गया।

यात्रियों ने समय की भयावही का वर्णन करते हुए कहा कि केबिन में तेज जलने की गंभीर भर गई थी, इसके बाद पायलट ने इंटरकॉम पर कहा कि विमान को सऊदी अरब में आपातकालीन स्थिति में रुकने के लिए मजबूत होना पड़ा। दरअसल, सऊदी अरब एक ऐसा देश है कि जैसा कि भारतीयों को लगता है कि वैशिक स्तर पर भारत का प्रभाव बड़ा है, वैसा क्या सच में है। इससे सामने आया कि भारतीयों की तुलना में दुनिया में काफी कम लाग मानते हैं। व्यावाहिक कारोबार को लेकर हाई संपर्क या राजनीतिक संबंध नहीं हैं। यात्रियों ने कहा कि जैसकी देशों में ताना बढ़ रहा था, जबकि इसाइली अधिकारी यह पत लाने में उलझे हुए थे कि क्या किया जाए। लेकिन जल्द ही सऊदी सुरक्षा बलों ने इसाइलियों को एक होटल में पहुंचाया। यात्री मायामा स्ट्रिल ने दर्जनों अत्यंत लोगों के साथ इसाइल के बेन गुरियन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से बाहर निकलते विमान रस्ते में रात तो हुए कहा कि +यह बहुत डराना था, लेकिन हम सभी को सऊदी द्वारा बहुत अच्छे से स्वाक्षर किया गया... हम यह देखकर बहुत उत्साहित थे कि हम ठीक और सुरक्षित हैं।

अमेरिका ने यूक्रेन के लिए नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की, प्रिंगोड़िन की मौत को लेकर कर सकता है बड़ा दावा

लंदन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने यूक्रेन के लिए एक नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की है। न्यूज एंजेसी एनएसआई ने विदेशी मीडिया के हावाले से यह जानकारी दी है। ब्लिंकेन के एक बयान के अनुसार, पैकेज में अतिक्रमित बालूदी सुरक्षा-समाझोदान उपकरण, वायु रक्षा को लिए मिसाइलें, अर्टिलियरी और हाई बार सिस्टम के लिए गोला-बारूद और 30 लाख से अधिक छोटे हाथियां गोला-बास्कॉल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी जल्द ही इस बात की भी घोषणा कर सकता है कि वैग्नर समूह के प्रमुख येवेनी प्रिंगोड़िन की मौत के लिए क्रमांकित यूक्रेनी एंटनी ब्लिंकेन के लिए जीन-पियरे ने कहा, हास सभी जानते हैं कि क्रमांकित विदेशीयों को मारने का एक लंबा रहा है कि क्रमांकित यूक्रेन के लिए 39.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर के एक नए पैकेज की भी घोषणा की है, जो इस साल दिए गए पैकेज से आठ गुना अधिक है। सहायता पैकेज में मानवीय रहत और अपुर्विमान के लिए सहायता देने वाली शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक-योल (Yoon Suk-yool) की जुलाई की घोषणा के अनुसार, एक लंबा यूक्रेन को बड़े पैमाने पर सैन्य अपार्टी दी जाएगी। रूस में वैग्नर समूह के प्रमुख येवेनी प्रिंगोड़िन का अंतिम संस्करण भी किया गया। प्रिंगोड़िन के लिए सहायता एक विमान दुर्घटना में मारे गए थे। प्रिंगोड़िन के स्वामित्व वाली कपीनी कॉन्कार्ड मैनेजमेंट के अनुसार, वैग्नर के संस्थापक का अंतिम संस्करण बंद प्रारूप में हुआ। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि अंतिम संस्करण कब हुआ।

रूस पर युद्ध के 18 महीने में सबसे बड़ा हमला, यूक्रेन पर ड्रोन से पांच क्षेत्रों पर प्रति बाम बरसाने का आरोप

कीव। एक बार फिर बुधवार तड़के यूक्रेन ने रूस के पांच क्षेत्रों को निशाना बनाया। यह 10 से 20 ड्रोनों से एक साथ हमला किया गया। यह हमला युद्ध की सूखात से लेकर अबतक के साथ का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बनाया जा रहा है। वहीं, रूस ने भी जवाबी हमला किया गया।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर ड्रोन से रस्सी क्षेत्रों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। उहोंने कहा कि ड्रोन से परिषम्पत्ति क्षेत्रों में एक हवाई अड्डे पर हमला किया गया। इसके अलावा ऑर्योल, ब्रांस्क, येवाजान और कूलगा के क्षेत्रों में गोलीबारी की गई है। साथ ही इसे 18 महीनों में रस्सी धरती पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला बनाया जा रहा है।

रूस के परिचमी शर्क पस्कोव में एक हवाई अड्डे पर ड्रोन हमले किए गए। इस हमले में दो सैन्य परिवहन विमान क्षतिग्रस्त हुए।

ऑस्ट्रेलिया ने जनमत संग्रह के लिए 14 अक्टूबर की तारीख तय की, पीएम अल्बानीज ने बताया ऐतिहासिक मौका

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई लोग 14 अक्टूबर को इस बात को लेकर मतदान करेंगे कि क्या वे आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीप के लोगों को लोगों को समर्थन करते हैं। अदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीप के लोगों को समर्थन करते हैं। यह देश में स्वदेशी अधिकारों के संघर्ष के लिए एक नियांयक दिन होगा। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बुधवार को एडिलेड में एक खालीखाल भेर संवाददाता सम्मेलन में ऐतिहासिक जनमत संग्रह की तारीख की घोषणा की और इसे राष्ट्र को एकनूट करने

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्यम् समिति
द्वारा विप्रिण इण्टरप्राइजेज
1/6 माधव कुंज
कट्टरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आमंत्रण अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।

सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025

आफिस क्रमः
9565333000

Email:-
akhandbharatsandesh@gmail.com

सभी विवादों का व्याप्त सेत्र
प्रयागराज होगा।

दुनिया में भारत के बढ़ते प्रभाव को लेकर रिपोर्ट में हैरान करने वाला दावा, किए गए बड़े खुलासे

वाशिंगटन। यूरिसर्च सेंटर ने वैशिक स्तर पर भारत के प्रभाव को लेकर एक अध्ययन किया। इससे तेल अवीव के लिए रवाना कर दिया गया। इसाइल ने सद्विनायक संकेत के रूप में इसकी सफाई की, जैसा कि वाशिंगटन दोनों देशों के बीच औपचारिक संबंध स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। 128 यात्रियों को ले जा रहे एयर सेशेल्स के विमान को बिजली के कारण सोमवार को आपातकालीन लैंडिंग करना पड़ा था। इसाइल के लिए रवाना कर दिया गया। यात्रियों ने जेदा तरह अड्डे के होटल स्तर पर रात बिताई और उन्हें वैकल्पिक विमान से एयरलाइन वापस भेज दिया गया।

यात्रियों ने समय की भयावही का वर्णन करते हुए कहा कि केबिन में तेज जलने की गंभीर भर गई थी, इसके बाद पायलट ने इंटरकॉम पर कहा कि विमान को सऊदी अरब में आपातकालीन स्थिति में रुकने के लिए मजबूत होना पड़ा। दरअसल, सऊदी अरब एक ऐसा देश है कि जैसा कि वैशिक स्तर पर भारत का प्रभाव बड़ा है, वैसा क्या सच में है। इससे सामने आया कि भारतीय वयस्कों ने पीएम मंदीरी के काम पर भरोसा जताया है। वहीं, 12 अन्य देशों के 37 फीसदी वयस्कों ने उनके काम की सराहना की। इसके अलावा अधिकतर देश भारत की ओर सकारात्मक रूप से जुड़ रहे हैं।

व्यावाहिक देशों में बड़ा प्रभाव

जानकारी के अनुसार, 68 फीसदी भारतीय वयस्कों का मानना है कि वैशिक स्तर पर भारत का प्रभाव बड़ा है, वैसा क्या सच में है। इससे सामने आया कि भारतीय वयस्कों ने दुनिया में एक बड़ा प्रभाव बढ़ा रखा है।

व्यावाहिक देशों में बड़ा प्रभाव

जानकारी के अनुसार, 68 फीसदी भारतीय वयस्कों का मानना है कि वैशिक स्तर पर भारत का प्रभाव बड़ा है, वैसा क्या सच में है। इससे सामने आया कि भारतीय वयस्कों ने दुनिया में एक बड़ा प्रभाव बढ़ा रखा है।

व्यावाहिक देशों में बड़ा प्रभाव

जानकारी के अनुसार, 68 फीसदी भारतीय वयस्कों का मानना है कि वैशिक स्तर पर भारत का प्रभाव बड़ा है, वैसा क्या सच में है। इससे सामने आया कि भारतीय वयस्कों ने दुनिया में एक बड़ा प्रभाव बढ़ा रखा है।

व्यावाहिक देशों में बड़ा प्रभाव

जानकारी के अनुसार, 68 फीसदी भारतीय वयस्कों का मानना है कि वैशिक स्तर पर भारत का प्रभाव बड़ा है, वैसा क्या सच में है। इससे सामने आया कि भारतीय वयस्कों ने दुनिया में एक बड़ा प्रभाव बढ़ा रखा है।

व्यावाहिक देशों में बड़ा प्रभाव

जानकारी के अनुसार, 68 फीसदी भारतीय वयस्कों का मानना है कि वैशिक स्तर पर भारत का प्रभाव बड़ा है, वैसा क्या सच में है। इससे सामने आया कि भारतीय वयस्कों ने दुनिया में एक बड़ा प्रभाव बढ़ा रखा है।

व्यावाहिक देशों में बड़ा प्रभाव